

मुख्यमंत्री भजनलाल ने हनुमानजी की पूजा-अर्चना की

जयपुर, 12 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को हनुमान जयन्ती के अवसर पर गोविन्दपुरी, स्वेज फार्म स्थित श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में सिद्धेश्वर हनुमानजी के दर्शन कर विधिवत् पूजा-अर्चना की तथा

- हनुमान जयंती के अवसर पर उन्होंने स्वेज फार्म स्थित श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए कामना की।**

प्रदेश की सुख समृद्धि एवं आमजन के कल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में श्री राधा-कृष्ण विग्रह के दर्शन भी किए। इस अवसर पर विधायक पुष्पेन्द्र सिंह, मंदिर महन्त अवधेशाचार्य महाराज सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमान जयंती के अवसर पर गोविन्दपुरी, स्वेज फार्म में सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में श्री राधा-कृष्ण विग्रह के दर्शन भी किए।

टैरिफ पर ट्रंप ने एक और यू टर्न लिया

ट्रंप ने मोबाइल फोन, कम्प्यूटर और चिप्स को “रैसिप्रोकल टैरिफ” से छूट दी है

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए एक और यू टर्न लिया।

ट्रंप ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर, चिप्स आदि इलेक्ट्रॉनिक्स को रैसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी है। इससे पहले वे टैरिफ नीति के क्रियावन्धन को 90 दिन आगे सरका चुके हैं। इस फैसले से अमेरिकी लोगों को राहत मिलेगी क्योंकि इन चीजों की कीमतें अब नहीं बढ़ेंगी। इसके अलावा इस फैसले से ऐपल और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी जैसी बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को फायदा हो सकता है।

अमेरिका के कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन ने शुक्रवार देर रात कुछ चीजों को टैरिफ से छूट देने को लेकर एक नोटिस जारी किया। इसके मुताबिक, मोबाइल फोन, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान को टैरिफ से छूट

- इसके साथ ही सैमिकंडक्टर बनाने के काम आने वाली मशीनों को भी छूट दी है। इससे ताइवान सैमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी जैसी बड़ी कम्पनियों को लाभ होगा।**

दी गई है। इसका मतलब यह है कि ट्रंप की ओर से चीन पर लगाए गए 125 फीसदी के टैरिफ और बाकी देशों पर लगाए गए 10 फीसदी के टैरिफ से अब कुछ इलेक्ट्रॉनिक सामान बाहर हो जाएंगे।

छूट जिन चीजों पर लागू होगी, उनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, हार्ड ड्राइव, कंप्यूटर प्रोसेसर और मेमोरी चिप्स शामिल है। ये सारी चीजें आमतौर पर अमेरिका में नहीं बनती। अगर इन्हें अमेरिका में बनाया शुरू भी किया जाए, तो उसमें कई साल लग सकते हैं। इसके अलावा ट्रंप के नए टैरिफ से उन मशीनों को भी छूट दी गई है जो सेमीकंडक्टर

पहली बार सुप्रीम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यपाल को उन विधेयकों पर उचित कार्यवाही न करने की अनुमति देता हो, जो उनके पास उनकी सम्पत्ति के लिये भेजे गये हों, तथा राज्यपाल ने सम्मति देने में विलम्ब किया हो तथा राज्य के कानून-निर्माण-तंत्र का रास्ता अवरुद्ध हो गया हो।"

यह कहते हुये कि राज्यपाल को मंत्रिपरिषद द्वारा दी गई सहायता एवं सलाह को मानना चाहिये, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल को यह छूट नहीं है कि वे उनके पास देाबारा भेजे गये विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के लिये अपने पास आरक्षित रूप में रखे रहे। ज्ञातव्य है कि राज्यपाल द्वारा लौटा दिये गये बिल को, विधानसभा में दोबारा राज्यपाल के पास भेज सकती है।

बैच न रेजिस्ट्रार को निर्देश दिये कि इस निर्णय की एक-एक प्रति सभी उच्च न्यायालयों को तथा सभी राज्यों के राज्यपालों के प्रधान सचिवों को भेजी जाये।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा, “राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह के विपरित सहमति को रोकनी की स्थिति में, राज्यपाल को, तीन महीने की अधिकतम अवधि के अन्दर ही, जरूरी संदेश के साथ संबंधित विधेयक लौटाना होगा।"

विधेयक को पारित/स्वीकृत रूप में तमिलनाडु के राज्यपाल के समक्ष पुनः प्रस्तुत करने के लिये, शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत, अपने विशिष्ट एवं पूर्ण अधिकार को काम में लिया था।

अदालती आदेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का अवकाश स्वीकृत प्रार्थना पत्र पेश करने को कहा था, लेकिन अपीलार्थी ने उस पर कार्रवाई नहीं की। वहाँ अपीलार्थी की सेवा प्रस्तुतका में इस अवधि की सेवा का सुलझाना नहीं है। ऐसे में उसे वेतन नहीं दिया गया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अधिकरण ने 6 जनवरी, 2023 को विभाग को आदेश जारी कर तीन माह में इस अवधि का बकाया वेतन का भुगतान करने को कहा था। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से आदेश की पालन नहीं की गई। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से अधिकरण में अवमानना याचिका दायर की गई, जिसे अधिकरण ने आगामी कार्रवाई के लिए हाईकोर्ट भेजा था।

टैरिफ पर ट्रंप ने एक और यू टर्न लिया

ट्रंप ने मोबाइल फोन, कम्प्यूटर और चिप्स को “रैसिप्रोकल टैरिफ” से छूट दी है

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए एक और यू टर्न लिया।

ट्रंप ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर, चिप्स आदि इलेक्ट्रॉनिक्स को रैसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी है। इससे पहले वे टैरिफ नीति के क्रियावन्धन को 90 दिन आगे सरका चुके हैं। इस फैसले से अमेरिकी लोगों को राहत मिलेगी क्योंकि इन चीजों की कीमतें अब नहीं बढ़ेंगी। इसके अलावा इस फैसले से ऐपल और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी जैसी बड़ी इलेक्ट्रॉनिक सामान को टैरिफ से छूट

- इसके साथ ही सैमिकंडक्टर बनाने के काम आने वाली मशीनों को भी छूट दी है। इससे ताइवान सैमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी जैसी बड़ी कम्पनियों को लाभ होगा।**

दी गई है। इसका मतलब यह है कि ट्रंप की ओर से चीन पर लगाए गए 125 फीसदी के टैरिफ और बाकी देशों पर लगाए गए 10 फीसदी के टैरिफ से अब कुछ इलेक्ट्रॉनिक सामान बाहर हो जाएंगे।

छूट जिन चीजों पर लागू होगी, उनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, हार्ड ड्राइव, कंप्यूटर प्रोसेसर और मेमोरी चिप्स शामिल है। ये सारी चीजें आमतौर पर अमेरिका में नहीं बनती। अगर इन्हें अमेरिका में बनाया शुरू भी किया जाए, तो उसमें कई साल लग सकते हैं। इसके अलावा ट्रंप के नए टैरिफ से उन मशीनों को भी छूट दी गई है जो सेमीकंडक्टर

आगरा में करणी सेना ने किया शक्ति प्रदर्शन

करणी सेना ने राणा सांगा की जयंती पर विरोध प्रदर्शन किया और सपा सांसद रामजीलाल सुमन की जमकर आलोचना की

- प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के राजपूत मौजूद थे।**

आगरा, 12 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के आगरा में शनिवार को राणा सांगा की जयंती के मौके पर करणी सेना और अन्य राजपूत संगठनों ने भारी प्रदर्शन किया। गढ़ौ रामी में आयोजित 'रक्त स्वाधिमान सम्मेलन' में एक लाख से अधिक लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तलवारें, लाठी और डंडे थे। यह प्रदर्शन समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान के विरोध में था।

हजारों की संख्या में राजपूत समाज के लोग आगरा की सड़कों पर उतरे, जो उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से आए थे। पचास बीघा के पंडाल में हुए सम्मेलन में राणा सांगा की जयंती मनाई गई पर उनका मुख्य निशाना सपा सांसद रामजीलाल सुमन थे। पुलिस को पहले से इस विशाल भीड़

वोट बैंक पर आधारित राजनीति अब भारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष के नेता ने एक जनहति याचिका दायर की थी।

मालदा और मुर्शिदाबाद के मुस्लिम बहुल इलाकों में एक बार फिर वक्फ सौंशोधन विधेयक के विरोध में भीड़ हिंसक हो उठी। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि प्रदर्शनकारियों ने राज्य पुलिस पर हमला किया और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुँचाया।

पिछले हफ्ते भी कई पुलिस वाहनों को आग लगा दी गई और पुलिसकर्मियों पर हथियारबंद भीड़ ने हमला किया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मों और प्रदर्शनकारी घायल हुए। बार-बार शांति बनाए रखने की अपीलें अनसुनी कर दी गईं।

यह स्थिति पिछले कुछ समय से सुलग रही थी और वक्फ विधेयक के विरोध में पिछले सप्ताह भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी थीं। तथापि, राज्य पुलिस ने, राजनीतिक आदेशों पर, इन घटनाओं को लेकर बेहद नरमी बरती।

दिल्ली में युवा कांग्रेस ने महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। युवा कांग्रेस ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ शनिवार को यहां विरोध प्रदर्शन कर सरकार से सवाल किया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें गिर रही हैं तो देश की जनता को क्यों लूटा जा रहा है।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिव ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आंकड़े बताते हैं कि देश में 100 करोड़ लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और हालात बद से बदतर

- युवक कांग्रेस का प्रदर्शन पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस के दाम बढ़ाने के खिलाफ था।**

होने वाले हैं। जनता रो-रो कर जिए या महंगाई में दबकर मर जाए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन सब से फर्क नहीं पड़ता। वे सिर्फ यही चाहते हैं कि उनके दोस्तों की तिजोरी लबालब भरी रहे।

उन्होंने कहा, मई 2014 के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में 41 प्रतिशत की गिरावट आई है, पर लुटेरी मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम करने के बजाय, 2-2 रुपये बढ़ा दिये हैं।

लखनऊ में सरकारी जमीन पर अम्बेडकर की मूर्ति लगाने से हुआ विवाद

मूर्ति हटाने की अपील पर पुलिस पर पथराव किया लोगों ने

लखनऊ, 12 अप्रैल। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को सरकारी जमीन पर रखने को लेकर विवाद हो गया।

बख्शी का तालाब इलाके के महिगवा थाना क्षेत्र में अंबेडकर की मूर्ति को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण पुलिस से भिड़ गए।

इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें कई पुलिसकर्मों घायल हुए हैं। मौके पर मची अफरातफरी के दौरान कुछ महिलाएं भी बेसुध हो गईं। मौके पर तनाव की स्थिति के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

जानकारी के अनुसार, लखनऊ के खंतरी गांव में बिना अनुमति के ग्राम समाज की जमीन पर देर रात

देव प्रयाग में वाहन नदी में गिरा, 5 की मौत

टिहरी गढ़वाल/देहरादून, 12 अप्रैल।उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जनपद के देवप्रयाग क्षेत्र में शनिवार सुबह बिना नंबर का एक नया वाहन थार, अलकनंदा नदी में जा गिरा जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल है।

हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ ने वाहन सवार एक महिला को रस्क्यू कर निकाल लिया जबकि काफी मेहनत उपरांत अन्य पांच के शव निकाले जा सके। मृतकों में एक दंपति और दो किशोर एक ही परिवार के हैं, जो फरीदाबाद (हरियाणा) निवासी हैं। जबकि एक अन्य मृतक उनका रिश्तेदार है, और रुड़की (उत्तराखंड) का निवासी है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी), टिहरी, आयुष अग्रवाल ने बताया कि आज पुलिच चौकी भल्लेगांव को स्थानीय व्यक्ति द्वारा बादशाह ढाबे से पीछे देवप्रयाग की तरफ नदी में एक वाहन गिरने की सूचना मिली। इस पर बिना समय गंवाए थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत सहयोगी एसडीआरएफ व राहत बचाव उपकरण के साथ दुर्घटना स्थल पहुंचे।

देर शाम बारिश ने जयपुर को गर्मी से थोड़ी राहत दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 12 अप्रैल। पश्चिमी विक्षोभ के चलते राजस्थान के मौसम में बदलाव आया है। शुक्रवार रात के बाद शनिवार शाम को भी मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश हुई। इस बारिश ने गर्मी से हाल-बेहाल हो रहे लोगों को थोड़ी राहत दी है। मौसम विभाग ने भी जयपुर, भरतपुर, अजमेर और कोटा संभाग में कुछ जगहों पर तेज मेघगर्जन और आंधी के साथ बारिश होने तथा जोधपुर व बीकानेर संभाग में भी छुटपुट स्थानों हल्की बारिश की संभावना जताई थी।

गौरतलब है कि इस बार अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर बढ़ गया है, तापमान प्रतिदिन 40-41 डिग्री से ज्यादा दर्ज हो रहा है। पिछले करीब एक सप्ताह में प्रदेश के तापमान में अचानक आये बदलाव के कारण लोगों में चिंताजनक माहौल बना हुआ था। इसी बीच पिछले

- मौसम विभाग ने जयपुर, भरतपुर, अजमेर व कोटा संभाग में आँधी व बारिश की संभावना जताई है।**

2-3 दिनों से तेज अंधड़ के साथ मौसम में बदलाव और बारिश के आसार बन रहे थे। शुक्रवार रात को और कुछ जगहों पर शनिवार को हल्की बूँदाबांदी हुई। मौसम विभाग ने 13 अप्रैल से ज्यादातर हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने और तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही 14-15 अप्रैल से दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में फिर से अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज होने के साथ ही, हीटवेव की चेतावनी भी दी है।

तहव्वुर के प्रत्यर्पण के श्रेय की होड़ पर कांग्रेस हमलावर

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल। कांग्रेस ने कहा है कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने की होड़ में शामिल लोगों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम तथा अन्य आतंकवादियों का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने का जिम्मेदार कौन है।

पार्टी ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को

- कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा, तहव्वुर के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने वाले क्या दाऊद, हैडली कोलमैन और विजय माल्या के प्रत्यर्पण में मिली असफलता का भी श्रेय लेंगे।**

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय दिया जा रहा है और श्रेय लेने की होड़ मची है, लेकिन सच यह है कि यह लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है और यू.पी.ए. सरकार ने ना केवल इसकी शुरुआत की थी बल्कि इसमें तेजी भी ला दी थी। अब मोदी को इसका श्रेय देने वालों को यह भी बताना चाहिए कि दाऊद इब्राहिम, डेविड हेडली, विजय माल्या आदि का प्रत्यर्पण नहीं हो पाने की जिम्मेदारी किसे दी जानी चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा, आज एक होड़ मची है कि किसी भी तरीके से तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय नरेन्द्र मोदी और सिर्फ नरेन्द्र मोदी को मिले। जबकि, सच यह है कि यह प्रत्यर्पण हमारी एजेंसियों के 15 वर्षों की मेहनत का परिणाम है।

सुखबीर सिंह बादल शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष बने

अमृतसर, 12 अप्रैल। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्यालय तेजा सिंह समुंद्री हॉल में शनिवार को आयोजित पार्टी की प्रतिनिधि बैठक के दौरान सुखबीर सिंह बादल को सर्वसम्मति से शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का अध्यक्ष चुना गया। वह चौथी बार इस पद के लिए चुने गए हैं।

पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए सुखबीर बादल का नाम कार्यकारी अध्यक्ष बलवंतूर सिंह भूंदर ने प्रस्तावित किया और महेशिंदर सिंह ग्रेवाम और प्रमजोत सिंह सरना ने समर्थन दिया। प्रतिनिधियों ने सत श्री अकाल के साथ हाथ उठाकर अपनी सहमति दी।

‘शराब की कालाबाजारी, 40 हजार करोड़ का कारोबार हुआ’

राजद नेता तेजस्वी प्रसाद ने यह भी कहा कि राज्य में शराबबंदी पूरी तरह से विफल हो गई है

- तेजस्वी ने कहा, बड़े पुलिस अफसर सरकार में बैठे लोग शराब की तस्करी में लिप्त हैं।**

कहा है कि पुलिस के वजह से ही शराब की तस्करी हो रही है और पुलिस का एक मात्र काम रह गया है भ्रष्टाचार, उगाही और कानून का दुरुपयोग करने वालों को संरक्षण देना।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में शराब के ब्लैक मार्केटिंग और अवैध कारोबार से 40 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार किया जा रहा है। बिहार में अब तक नौ लाख 36 हजार 949 मुकदमे दर्ज किये गये हैं और करीब

ई.डी.ने सोनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में 5000 करोड़ रु. कीमत की एजेन्सल की सम्पत्तियाँ अधिग्रहित कर ली थीं। ईडी ने आज एक बयान में कहा कि वह तीन स्थानों पर नोटिस पहले ही चरप्पा कर चुकी है। ये तीन स्थान हैं- दिल्ली में हैरल्ड हाउस, मुम्बई के बांद्रा इलाके में स्थित कार्यालय परिसर तथा लखनऊ के बिशेश्वर नाथ रोड पर स्थित एजेएल भवन। इन नोटिसों में दिल्ली और लखनऊ के परिसरों को खाली करने के लिये कहा गया है। मुम्बई की बिल्डिंग के सम्बंध में, ईडी ने किराया ट्रान्सफर करने का विकल्प भी प्रस्तावित किया है। यह कार्यवाही “प्रिक्सन ऑफ लॉन्ड्रिंग एक्ट” (पीएनएलएफ) की धारा 8 के नियम 5 (1) के तहत की गई है। यह नियम ईडी द्वारा अट्रैन्ड की गई सम्पत्तियों का कब्जा लेने की प्रक्रिया से सम्बंधित है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह गठबंधन क्यों बना है। इसका क्या वैचारिक आधार है। द्रमुक नेता अन्नाद्रमुक से सवाल कर रहे हैं कि अन्नाद्रमुक नीट, त्रिपाषा फॉर्मूला के जरिए हिंदी थोपने और वक्फ कानून पर भाजपा के खिलाफ है तो क्या वे बताएंगे कि उनके कथित न्यूनतम साझा कार्यक्रम में इनमें से कोई मुद्दा है।

उन्होंने अमित शाह का नाम लेकर कहा, हास्यास्पद बात है कि वे भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं और द्रमुक के साथ मंच साझा कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा कि जयललिता को दो बार भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ता गंवानी पड़ी थी। आय से

अधिक संपत्ति के मसले पर उन्हें चार साल की जेल हुई थी, क्या अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन के लिए “भ्रष्टाचार” जैसे शब्द का इस्तेमाल किया जा सकता है।

लेकिन अन्नाद्रमुक के प्रवक्ता कोवाई सत्यम ने कहा कि गठबंधन बनने से द्रमुक को हार का डर सत्ता रहा है। उन्होंने कहा, “यह एक महान गठबंधन की शुरुआत है, जो 2026 में विधानसभा चुनाव के बाद अन्नाद्रमुक नेता ई. पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाएगा। हार की संभावना देखकर व गठबंधन का आधार पृष्ठ रहे है। हमारे विचार अलग है, इसलिए हम दो अलग-अलग दल हैं। पर, हमारा एक कॉमन मिशनम प्रोग्राम है। दो मुद्दे हैं, जिन पर फोकस किया गया है, पहला है, लोकतंत्र के नाम पर वंशवाद। द्रमुक के शासन में यही हो रहा है। तमिल जनता के कल्याण के लिए द्रमुक को सत्ता से हटाना होगा।”